रसायन का नोबेल

करंट अफेयर्स & सामान्य ज्ञान एवम रोचक जानकारी

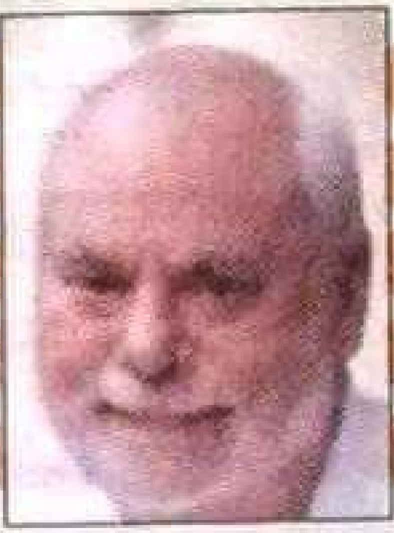

वर्ष 2016 के लिए रसायन विज्ञान के क्षेत्र के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की गयी। इसमें फ्रांस के जीन पियरे शावेज, ब्रिटेन के जे फ्रेजर स्टोडार्ट एवं नीदरलैंड के बनार्ड फेरिंगा को इस वर्ष का रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया जाएगा। इस संबंध में 5 अक्टूबर, 2016 को घोषणा की गई। तीनों वैज्ञानिकों को आणविक मशीनों के आविष्कार तथा नैनो तकनीक को नए स्तर पर ले जाने हेतु इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

तीनों वैज्ञानिकों द्वारा की गई खोज

- पुरस्कार चयन करने वाली ज्यूरी के अनुसार तीनों वैज्ञानिकों ने नियंत्रणीय गति के साथ अणुओं का विकास करने में सफलता प्राप्त की जो ऊर्जा संचार होने के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम है।
- वैज्ञानिकों की इस खोज के कारण साधारण मशीन से कई गुना छोटी आणविक मशीन बनाने की दिशा में प्रयोग किये गये।
- यह बाल से हजार गुना छोटी मशीन है जिसे चलाने के लिए नैनो मोटर का विकास किया गया।

करंट अफेयर्स & सामान्य ज्ञान एवम रोचक जानकारी

साहित्य का नोबेल

करंट अफेयर्स & सामान्य ज्ञान एवम् रोचक जानकारी

वर्ष 2016 में साहित्य के नोबेल पुरस्कार हेतु जाने माने गीतकार और गायक बॉब डिलन को चयनित किया गया है। अमेरिकी गीतों की परंपरा में नई अभिव्यक्ति के सृजन हेतु बॉब डिलन को ये पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 1901 से अब तक साहित्य के 108 नोबेल पुरस्कार दिए जा चुके हैं। बॉब डिलन साहित्य का नोबेल पाने वाले 109वीं शख्सियत है।

चीन के मो यान को साहित्य का नोबेल पुरस्कार

चीन के लेखक मो यान को वर्ष 2012 हेतु साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए चयन किया गया। लोक कथाओं, इतिहास और समकालीन जीवन के साथ काल्पनिक, वास्तविक और सामाजिक दृष्टिकोण में सम्मिलन हेतु उनकी अनोखी शैली के लिए उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

- मो. यान नोबेल पुरस्कार पाने वाले चीन के पहले नागरिक हैं।
- 1987 में प्रकाशित इस उपन्यास में कम्युनिस्ट शासन के शुरूआती वर्षों में किसान के कठोर जीवन को चित्रित किया गया है।
- 57 वर्षीय मो यान का वास्तविक नाम गुआन मोये है।

चिकित्सा का नोबेल

71 साल के जापानी साइंटिस्ट योशिनोरी ओशुमी को चिकित्सा क्षेत्र में बॉडी सेल पर नए शोध हेतु नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की। ओशुमी ने बॉडी सेल की सेल्फ ईटिंग या ऑटोफैगी प्रोसेस को नए तरीके से समझाया है। योशिनोरी ओशुमी को ऑटोफैगी के क्षेत्र में नवीनतम शोध हेतु यह नोबेल प्रदान किया जाएगा।

ऑटोफैगी के बारे में :

ये शरीर को बिना खाने के रहने में मदद करता है, साथ ही बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करता है।

ऑटोफैगी प्रॉसेज के नाकाम होने के कारण ही इंसान में बुढ़ापा और पागलपन जैसी चीजें बढ़ती हैं।

नोबेल पुरस्कार :

- मेडिसिन की श्रेणी में 1905 में शुरू हुए नोबेल पुरस्कार का यह 107वाँ पुरस्कार है।
- जापान ने यह 25वाँ और लगातार तीसरे साल नोबेल पुरस्कार जीता है। ओशुमी नोबेल पुरस्कार पाने वाले चौथे जापानी हैं।

अर्थशास्त्र का नोबेल

वर्ष 2016 के लिए अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कारों के लिए ब्रिटिश मूल के अर्थशास्त्री ओलिवर हार्ट और फिनलैंड के बेंग्ट हॉमस्ट्रॉम के नामों की घोषणा की गई। दोनों अर्थशास्त्रीयों को अनुबंध से मिलने वाली मदद से जुड़ा सिद्धांत देने के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वीडन की नोबेल रॉयल अकादमी ने प्रशस्ति पत्र में कहा कि वास्तविक जीवन से अनुबंधों और संस्थानों को समझने और साथ ही अनुबंधों को बनाने में होने वाली संभावित चूकों पर किया गया उनका कार्य महत्त्वपूर्ण है इसलिए उन्हें इस पुरस्कार हेतु चुना गया।

भौतिकी का नोबेल

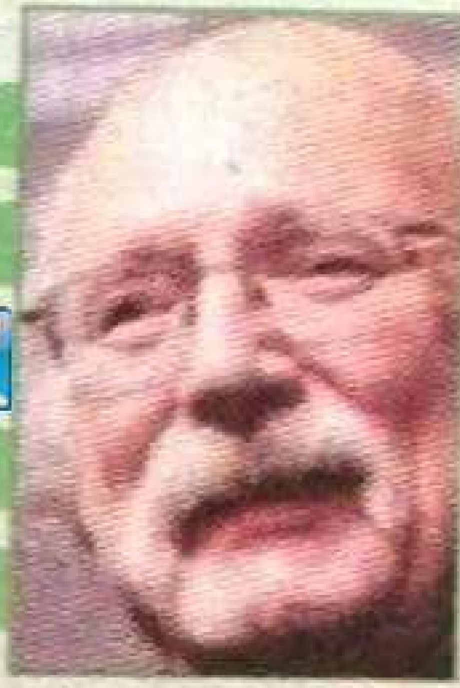

नोबेल पुरस्कार संस्था ने 4 अक्टूबर, 2016 को वर्ष 2016 के भौतिकी नोबेल पुरस्कार हेतु डेविड थोलुज, डंकन हेल्डल और माइकल कोस्टरलिट्ज का चयन किया। उन्हें पदार्थ और द्रव्य अवस्थाओं पर शोध हेतु यह पुरस्कार दिया गया।

विजेताओं द्वारा की गई खोज :

- 1970 के शुरुआती वर्षों में माइकल कोस्टरलिट्ज एवं डेविड थोलुज ने इस अवधारणा को बदला कि सुपरकंडक्टिविटी पतली परतों में नहीं पाई जाती।
- इन वैज्ञानिकों द्वारा की जा रही खोज अभी शोध के स्तर पर है लेकिन भविष्य में उनकी खोज का प्रयोग पदार्थ विज्ञान में किया जा सकेगा।
- यदि उनकी खोज सफल रही तो भविष्य में वर्तमान से भी छोटे कम्प्यूटर और फोन बनाये जा सकेंगे।

Current Affairs

नोबेल शांति पुरस्कार

कोलंबिया के राष्ट्रपति जुअन मानुएल सेंटोस को वर्ष 2016 का शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार कोलंबिया के सबसे लंबे विद्रोही दल फार्क (द रिवोल्यूशनरी आर्म फोर्सेस ऑफ कोलंबिया) के साथ शांति स्थापित करने के प्रयासों की वजह से मिला है। हालांकि हाल ही में कोलंबिया की जनता ने फार्क के साथ इस शांति समझौते को जनमत संग्रह के जरिए नकार दिया था क्योंकि इस जनमत संग्रह में हाँ या ना में वोट देने वालों के बीच फासला बहुत ज्यादा नहीं था।